आपकी खबरों का संसार...

अतुल्य संसार

संस्करणः जयपुर

हिन्दी समाचार पत्र...

RNI No.-RJHIN/2015/63826

web: www.atulyasansar.com

Digital Edition

www.liveworldnews.in

वर्षः 11 | अंकः 01 | जयपुर, बुधवार 15 जुलाई, 2026 | मूल्यः 2 रुपए | पृष्ठः 4

विश्व जनसंख्या ... पेज 2

महिला कांग्रेस की... पेज 3

वांगचुक 17 दिन से अनशन पर, 8.5किलो वजन घटा

कॉकरोच जनता पार्टी बोली- सरकार बेपरवाह; उद्धव-महुआ और अखिलेश की भूख हड़ताल खत्म करने की अपील

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल का मंगलवार को 17वां दिन है। उनकी सेहत लगातार बिगड़ रही है। वजन 8.5किलो कम हो गया है। अनशन शुरू होने पर वजन 67 किग्रा था। वांगचुक नीट पेपर लीक और परीक्षाओं में गड़बड़ी के मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर 28 जून से अनशन कर रहे हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव, शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे, टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा, एक्टर नसीरुद्दीन शाह, रत्ना पाठक शाह, राइटर अरुंधति रॉय समेत कई प्रमुख हस्तियों ने सोनम से अनशन खत्म करने की अपील की है। कॉकरोच जनता पार्टी ने कहा कि सरकार को वांगचुक की कोई चिंता नहीं है। सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा कि वांगचुक की जान को खतरा है। सरकार को मांगों पर ध्यान देना चाहिए।

सोनम के अनशन पर नेताओं-फिल्मी हस्तियों की प्रतिक्रिया

सपा चीफ अखिलेश यादव- जिस भाजपा सरकार को वह अपने आमरण अनशन से जगाने की कोशिश कर रहे हैं, वह सिद्धांतहीन और भ्रष्ट व्यवस्था बन चुकी है। इतनी निर्मम सरकार के लिए किसी का भी बलिदान मायने नहीं रखता। पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल- मैं 16 जुलाई शाम 5 बजे जंतर-मंतर जाकर सोनम वांगचुक और सीजेपी के प्रदर्शनकारियों से मुलाकात करूंगा और अपना समर्थन दूंगा। टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा- आपके उपवास ने युवाओं को एकजुट कर दिया है। सरकार को आपके या करोड़ों युवाओं के जीवन की परवाह नहीं है। आपका जीवन हमारे लिए मायने रखता है। अनशन बंद करें और लड़ाई जारी रखें। सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके- उनकी मसल्स कमजोर होने लगी हैं। सब की तरह मैंने भी उनसे अनशन खत्म करने की रिक्वेस्ट की है। उन्होंने कहा- मुझसे अनशन खत्म करने के लिए मत कहो। सरकार से पूछो कि वह बातचीत क्यों नहीं कर रही है। पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे- हम, शिवसेना की ओर से सोनम वांगचुक और अभिजीत दीपके के आंदोलन को सपोर्ट देते हैं। दीपके से फोन पर बात कर सोनम से भूख हड़ताल खत्म करने की अपील की है। ओमी वैद्य- मैं नहीं चाहता कि यह इंसान मर जाए। मेरे लिए वह एक प्रेरणादायक व्यक्ति हैं। मैं चाहता हूं कि वह सुरक्षित रहें और जिंदा रहें। जीनत अमान- मैं भारत सरकार से बातचीत शुरू करने की अपील करती हूं। हमें ऐसा समाज नहीं बनना चाहिए, जो चुपचाप बैठकर अपने सबसे अच्छे दिमागों में से एक को बलिदान होते देखता रहे।

सोनम वांगचुक 170 दिन जोधपुर जेल में रहे

लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे सोनम वांगचुक 170 दिन तक जोधपुर जेल में रहे। उनके अनशन के दौरान 24 सितंबर 2025 को लेह में हिंसा हुई, जिसमें 4 लोगों की मौत और 90 लोग घायल हुए। सरकार ने हिंसा भड़काने का आरोप वांगचुक पर लगाया। इसके दो दिन बाद, 26 सितंबर को उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत हिरासत में लेकर जोधपुर जेल भेज दिया गया।

सीजेआई की टिप्पणी के बाद बनी

सीजेपी, युवाओं को कॉकरोच कहा था

15 मई को सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कुछ बेरोजगार युवाओं की तुलना कॉकरोच से की थी। इसी टिप्पणी के बाद कॉकरोच जनता पार्टी की शुरुआत हुई। अगले दिन 16 मई को अमेरिका में रहने वाले अभिजीत दीपके ने CJP बनाई। 22 मई को उन्होंने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग वाली ऑनलाइन याचिका शुरू की, जिसे 8 लाख से ज्यादा समर्थन मिलने का दावा किया गया।

11 साल में तीसरी बार मानसून पर ब्रेक

यूपी में अब तक 19%, एमपी में 3% कम बारिश; अरुणाचल में ITBP के 15 जवान फंसे

नई दिल्ली/भोपाल। देश के बडे हिस्से में जुलाई में मानसून ब्रेक जैसी स्थिति बनी है। साल 2015 और 2021 के बाद 11 साल में यह तीसरा मौका है। मौसम विभाग के मुताबिक 6-7 दिनों तक उत्तर-पश्चिम, मध्य और दक्षिण भारत के अधिकांश हिस्सों में बारिश के आसार कम हैं। हालांकि, पूर्वोत्तर, बिहार और पश्चिम बंगाल में तेज बारिश जारी रहेगी। मध्य प्रदेश में पहली बार जुलाई में मानसूनी सीजन में कम बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में अब तक 241.8 मिमी बारिश हुई है, जो सामान्य बारिश 250.1 मिमी से 3% कम है। वहीं, उत्तर प्रदेश में 1 जून से 13 जुलाई के बीच 161.6 मिमी बारिश हुई, जो कि औसतन 199.7 मिमी से 19% कम है। राजस्थान में पिछले 24 घंटे में कहीं भी बारिश नहीं हुई। श्रीगंगानगर में अधिकतम पारा 41.5डिग्री रहा।

रामंदिर ट्रस्ट कोषाध्यक्ष बोले- चढ़ावे से 3 करोड चोरी हुएः आरोपी लवकुश का मकान सील होगा, अफसरों ने दूसरी नोटिस दी

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले के बीच श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंददेव गिरि ने कहा- जहां तक मेरा अनुमान है करीब 3 करोड़ रुपए की चोरी हुई होगी। 14 करोड़ रुपए के सोने-चांदी के जेवर और नकदी चोरी होने की बात गलत है। गोविंददेव गिरि ने पुणे में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अपने इस्तीफे की खबरों को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा- मैंने कोई इस्तीफा नहीं दिया है। इधर, अयोध्या विकास प्राधिकरण ने चढ़ावा चोरी के आरोपी लवकुश मिश्रा के निर्माणाधीन मकान पर अंतिम नोटिस चस्पा कर दिया है। ADA ने इससे पहले 3 जुलाई को नोटिस दी थी, लेकिन लवकुश की पत्नी सुप्रिया मिश्रा ने कोई जवाब नहीं दिया। अब प्राधिकरण ने 15 जुलाई तक का अंतिम अवसर दिया है। एडीए ने चेतावनी दी है कि अगर जवाब नहीं मिला तो निर्माणाधीन मकान को सील कर दिया जाएगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की वेबसाइट से पूर्व महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र का नाम हटा दिया गया है। इससे पहले दोनों की VIP पास आईडी भी ब्लॉक कर दी गई थी। ट्रस्ट के अंतरिम महासचिव कृष्ण मोहन और ट्रस्टी महंत दिनेंद्र दास के नाम पर नई VIP पास आईडी जारी की गई है।

अखिलेश यादव के खिलाफ पोस्टर- दिल में बाबर, मुंह में राम

अयोध्या, बाराबंकी, मथुरा समेत यूपी के कई जिलों में सोमवार देर रात सपा के खिलाफ पोस्टर लगाए गए। इनमें मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव की तस्वीरों के साथ लिखा है- दिल में बाबर, मुंह में राम। मंगलवार सुबह सपा कार्यकर्ताओं ने होर्डिंग्स फाड़ दिए।

आरोपी टिन्नू और सुभाष की रिमांड मांगेगी पुलिस

चढ़ावा चोरी के मामले में आरोपी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू और सुभाष श्रीवास्तव को रिमांड पर लेने के लिए पुलिस मंगलवार को कोर्ट में अर्जी दाखिल करेगी। सूत्रों के मुताबिक पुलिस दोनों की 7 दिन की रिमांड मांग सकती है। रिमांड मिलने पर दोनों से पूछताछ की जाएगी।

इससे पहले, पुलिस आरोपी अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा और करुणेश पांडेय को रिमांड पर लेकर पूछताछ कर चुकी है।

अवनीश दास बोले-राम मंदिर ट्रस्ट में संत समाज की भूमिका महत्वपूर्ण हो

अयोध्या के जानकी घाट स्थित सीता माता मंदिर के पीठाधीश्वर अवनीश दास महाराज ने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में अयोध्या के साधु-संतों को भी शामिल किया जाना चाहिए। उनका कहना है कि मंदिर की व्यवस्था और परंपराओं का संचालन संत समाज से बेहतर कोई नहीं कर सकता। प्रशासनिक अधिकारी अपनी भूमिका निभा सकते हैं, लेकिन मंदिर की धार्मिक परंपराओं और सेवा-पूजा की भावना को संत ही बेहतर ढंग से समझते हैं। अवनीश दास महाराज ने कहा- अयोध्या के संतों के साथ-साथ स्थानीय लोगों की भी यह मांग है कि राम मंदिर ट्रस्ट में संत समाज की भूमिका महत्वपूर्ण हो। इससे मंदिर में रामानंदी परंपरा का संरक्षण और पालन अधिक प्रभावी ढंग से हो सकेगा।

रमाशंकर-सुभाष की 14 घंटे की पुलिस रिमांड स्वीकृत

अयोध्या राम जन्मभूमि दान चोरी प्रकरण में गिरफ्तार आरोपी रमाशंकर मिश्रा और सेवानिवृत्त बैंक कर्मी सुभाष श्रीवास्तव की पुलिस रिमांड अदालत ने मंजूर कर ली है। पुलिस ने दोनों आरोपियों की सात दिन की रिमांड मांगी थी, लेकिन अदालत ने 14 घंटे की पुलिस रिमांड स्वीकृत की। यह रिमांड बुधवार सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक प्रभावी रहेगी। पुलिस बुधवार सुबह दोनों आरोपियों को मंडल कारागार से रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी।

दिव्यांगों पर टिप्पणी- कॉमेडियन समय रैना समेत 5 पर जुर्माना

सुप्रीम कोर्ट बोला- हमने आजादी दी ताकि सुधरें पर कुछ नहीं हुआ, हमें गुमराह किया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को स्टैंड-अप कॉमेडियन और यूट्यूबर समय रैना, रणवीर अलाहाबादिया, विपुल गोयल, बलराज परमजीत सिंह घई, सोनाली ठक्कर, निशांत जगदीश तंवर पर 3 लाख रुपए जुर्माना लगाया है। अदालत ने दिव्यांगों पर विवादित टिप्पणी के केस में यह आदेश दिया है। इसकी सुनवाई सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच ने की। बेंच ने कहा कि हमारे आदेश के बावजूद रैना ने अपने शो पर किसी दिव्यांग को नहीं बुलाया। अदालत ने कहा- हमें लगता है कि रैना ने अदालत को गुमराह किया और हमारे आदेशों का खुलेआम उल्लंघन किया। हम उन पर जुर्माना लगाते हैं, जिसे 2 हफ्ते में जमा करना होगा। अदालत क्योर एसएमए इंडिया फाउंडेशन की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें रैना के शो पर स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी के इलाज के खर्च पर असंवेदनशील टिप्पणी करने और दिव्यांगों का मजाक उड़ाने का आरोप है। फाउंडेशन की वकील अपराजिता सिंह ने कहा कि रैना ने अपने किसी भी शो में शामिल होने के लिए उनसे या किसी अन्य दिव्यांगजन से कभी संपर्क नहीं किया।

खाने-पीने और रोजाना जरूरत के सामान महंगे

जून में थोक महंगाई 9.81%, 44 महीने में सबसे ज्यादा, रिटेल महंगाई भी 6 महीने से लगातार बढ़ रही

नई दिल्ली। जून में थोक महंगाई बढ़कर 9.87% पर पहुंच गई है। यह पिछले महीने 9.68त्न पर थी। जून में महंगाई 44 महीने में सबसे ज्यादा है। सितंबर 2022 में ये 10.70% पर पहुंच गई थी। कॉमर्स मिनिस्ट्री ने आज यानी 14 जुलाई को थोक महंगाई के आंकड़े जारी किए हैं। महंगाई बढ़ने की वजह रोजमर्रा की जरूरत के सामान और खाने-पीने की चीजों का महंगा होना है। अमेरिका और ईरान के बीच फरवरी से चल रहा तनाव कम नहीं हुआ तो इसके दामों में और इजाफा हो सकता है। इससे पहले कल रिटेल महंगाई के आंकड़े जारी हुए थे। रिटेल महंगाई भी लगातार छठे महीने बढ़कर 4.38% पर पहुंच गई है।

रोजाना जरूरत के सामान के दाम बढ़े

रोजाना की जरूरत वाले सामानों (प्राइमरी आर्टिकल्स) की महंगाई 4.99% से बढ़कर 7.00% हो गई है। खाने-पीने की चीजों (फूड इंडेक्स) की महंगाई 4.49% से बढ़कर 6.14% पर पहुंच गई है। फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर 30.33% से घटकर 27.41% हो गई है। मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई में कोई बदलाव नहीं है। यह 7.48% रही।

होलसेल महंगाई के 4 हिस्से

प्राइमरी आर्टिकल, जिसका वेटेज 22.62% है। फ्यूल एंड पावर का वेटेज 13.15% और मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट का वेटेज सबसे ज्यादा 64.23% है। प्राइमरी आर्टिकल के भी चार हिस्से हैं।

होलसेल प्राइस इंडेक्स का आम आदमी पर असर

थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए WPI को कंट्रोल कर सकती है। जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि, सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कम कर सकती है। WPI में ज्यादा वेटेज मेटल, केमिकल, प्लास्टिक, रबर जैसे फैक्ट्री से जुड़े सामानों का होता है।

रिटेल महंगाई लगातार छठे महीने बढ़ी

आलू-अदरक समेत खाने-पीने की चीजों के दाम फिर बढ़ने से रिटेल महंगाई लगातार छठे महीने बढ़ी है। जून में यह 4.38% पर पहुंच गई है। जनवरी में यह 2.74% थी। वहीं एक महीने पहले मई में 3.93% थी। यानी, यह लगातार छठा महीना है जब महंगाई बढ़ी है।

महंगाई कैसे मापी जाती है?

भारत में दो तरह की महंगाई होती है। एक रिटेल यानी खुदरा और दूसरी थोक महंगाई होती है। रिटेल महंगाई दर आम ग्राहकों की तरफ से दी जाने वाली कीमतों पर आधारित होती है। इसको कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स भी कहते हैं। वहीं, होलसेल प्राइस इंडेक्स का अर्थ उन कीमतों से होता है, जो थोक बाजार में एक कारोबारी दूसरे कारोबारी से वसूलता है। महंगाई मापने के लिए अलग-अलग आइटम्स को शामिल किया जाता है। जैसे थोक महंगाई में मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की हिस्सेदारी 63.75%, प्राइमरी आर्टिकल जैसे फूड 22.62% और फ्यूल एंड पावर 13.15% होती है। वहीं, रिटेल महंगाई में फूड और प्रोडक्ट की भागीदारी 45.86%, हाउसिंग की 10.07% और फ्यूल सहित अन्य आइटम्स की भी भागीदारी होती है।

शाहपुरा विधानसभा भाजपा प्रत्याशी उपेन यादव ने जन्म दिन पर त्रिवेणी धाम में दर्शन कर लिया महाराज श्री से आशीर्वाद

● अतुल्य संसार नेटवर्क

विजयपाल शाहपुरा। विधानसभा भाजपा प्रत्याशी उपेन यादव ने मंगलवार को त्रिवेणी धाम में दर्शन कर महंत श्रीराम रिछपाल दासजी महाराज से शुभ आशीर्वाद लिया। इस दौरान समाजसेवी सुभाष पोसवाल ने उपेन यादव का स्वागत कर जन्म दिन की हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई दी। इस मौके पर नन्छुराम पायला, लक्ष्मण पुनिया, महेश मीणा, मुलचंद पायला, उम्मेद यादव, धुडाराम पोषवाल सहित कई लोग मौजूद थे।

श्री भन्दे बालाजी धाम, अखण्ड सिद्ध धुणी में लगा 11 हजार नारियलों का महाभोग

● अतुल्य संसार नेटवर्क

दीपचंद शर्मा जयपुर। श्री भन्दे बालाजी महाराज की असीम कृपा से श्री हनुमान चालीसा प्रबंध समिति के तत्वावधान में संस्थापक संत अमरनाथ महाराज के पावन सानिध्य में मंगलवार प्रात: श्री भन्दे बालाजी धाम स्थित अखण्ड सिद्ध धुणी में 11 हजार नारियलों का भव्य महाभोग श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ अर्पित किया गया । पूरे मंदिर परिसर में भक्ति, आस्था और उत्साह का अनुपम वातावरण देखने को मिला। बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस दिव्य आयोजन के साक्षी बने और जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो उठा। ज्ञात हो कि 11 जुलाई को जयपुर के भांकरोटा स्थित हेरिटेज रिसॉर्ट्स में एक ही आसन पर 108 श्री हनुमान चालीसा के सामूहिक पाठ का ऐतिहासिक आयोजन सम्पन्न हुआ था। इस अनूठे धार्मिक अनुष्ठान में 11 हजार नारियलों के माध्यम से गणना की गई थी। उसी आयोजन में समर्पित किए गए सभी नारियलों का मंगलवार प्रात: विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ अखण्ड सिद्ध धुणी में महाभोग लगाया गया। सभी श्रद्धालुओं ने अपने-अपने नारियल स्वयं बधारे और पूर्ण श्रद्धा के साथ महाभोग में सहभागिता निभाई। आयोजन के दौरान भक्तों की आस्था और समर्पण देखते ही बन रहा था। पूरे परिसर में जय श्री राम एवं श्री भन्दे बालाजी महाराज की जय के उद्घोष निरंतर गूंजते रहे। घी, लड्डू, बर्फी, पंच मेवों सहित अन्य पूजन सामग्री से पूर्ण आहुति दी गई। वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार सम्पन्न हुई इस पावन प्रक्रिया ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। श्रद्धालुओं ने धुणी के दर्शन कर अपने परिवार की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और मंगलकामना की प्रार्थना की। भोग से पूर्व श्री हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने एक स्वर में पाठ कर भक्ति का अद्भुत वातावरण निर्मित किया। इसके पश्चात अखण्ड सिद्ध धुणी में महाभोग अर्पित कर सभी भक्तों ने दर्शन का लाभ प्राप्त किया। आओ चलें, श्री भन्दे बालाजी धाम के जयकारों से पूरा मंदिर परिसर गूंज उठा और श्रद्धालुओं ने इस दिव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन को अपनी आस्था का अविस्मरणीय पर्व बताया। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

बरसात में भी दूसरे दिन जारी रहा किसानों का महापड़ाव, फसल मुआवजे की मांग तेज

● अतुल्य संसार नेटवर्क

बकानी। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लंबित दावों एवं वर्ष 2025 के फसल खराबे के मुआवजे की मांग को लेकर भारतीय किसान संघ का बकानी तहसील मुख्यालय के बाहर अनिश्चितकालीन महापड़ाव दूसरे दिन भी जारी रहा। बारिश के बावजूद किसान धरना स्थल पर डटे रहे। किसानों ने आरोप लगाया कि वर्ष 2025 में प्राकृतिक आपदा से फसलें खराब होने के बाद भी एक वर्ष से अधिक समय बीत जाने पर न तो बीमा दावा मिला और न ही घोषित मुआवजा। उन्होंने शीघ्र भुगतान की मांग की। धरना स्थल पर तहसीलदार रतनलाल भील एवं कानूनगो जयराज मंडोत ने पहुंचकर किसानों से चर्चा की और उनकी मांगों से संबंधित ज्ञापन उच्च अधिकारियों तक भेजकर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। किसान संघ ने चेतावनी दी कि मांगों का शीघ्र समाधान नहीं होने पर आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

विवेकानंद के अध्यक्षता में धार्मिक सामाजिक संगठन बैठक का आयोजन किया

दीपचंद शर्मा डीग। गायत्री मंदिर प्रांगण में धार्मिक सामाजिक संगठन बैठक का आयोजन क्षेत्रीय प्रचारक विवेकानंद की अध्यक्षता में किया गया। उन्होंने बताया की बच्चों और युवाओं को धर्म ग्रंथों, नैतिक मूल्य और संस्कृतियों की शिक्षा देना, लव-जिहाद को रोकना, समय पर शादी करना, सामाजिक सुरक्षा, परिवार के साथ बैठकर चर्चा करना तथा सहभोज करना, मंदिर में मंगलवार के दिन एक साथ भजन संध्या करना आदि विषयों पर चर्चा की गई। बृजमोहन शर्मा ने सभी का परिचय कराया और और धार्मिक सामाजिक संगठन के बारे में विस्तार से बताया ।इस अवसर पर लालू राम जांगिड़, बृजभूषण शर्मा, मुकेश सिंह राजपूत, राजेश शर्मा, उर्मिला वैष्णव, सुनील खंडेलवाल, शिवकुमार खंडेलवाल, नरेंद्र सोनी, कैलाश खंडेलवाल, सरला खंडेलवाल, शशि गुप्ता, सुकुमा आदि लोग उपस्थित थे। आभार व्यक्त ताराचंद शर्मा ने किया।

बाबा भगवानदास आईटी एवं एआई सेन्टर पर विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

● अतुल्य संसार नेटवर्क

विजयपाल शाहपुरा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला जयपुर अध्यक्ष माधवी दिनकर एवं तालुका विधिक सेवा समिति शाहपुरा अध्यक्ष ललिता शर्मा अपर जिला एवं सत्र सैशन न्यायाधीश प्रथम के निर्देशन में अधिकार मित्र दिनेश कुमार शर्मा ने नगरपरिषद राजकीय महिला महाविद्यालय के पास स्थित बाबा भगवानदास आई एवं एआई सेन्टर पर नालसा जाग्रति योजना 2025 का शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर की अध्यक्षता निदेशक प्रकाश दादरवाल द्वारा की गई। इस अवसर पर जुनियर लीगल लिटरेसी क्लब की अध्यक्ष अंजलि धानका भी उपस्थित रही। अधिकार मित्र दिनेश कुमार शर्मा ने बताया कि इस शिविर का उद्देश्य गरीबी रेखा में आनेवाले उन सभी आखिरी लोगों को न्याय मिलना चाहिए। अर्थात कानूनी सेवा सभी सरकारी विभागों, निकायो, नगरपरिषद निगम, पंचायतों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, एवं सरकारी, एवं सरकारी एकीकृत सभी शिक्षण संस्थानों में जमीनी स्तर पर न्याय को क्रियान्वित होते हुए हकीकत में जागरूकता पैदा हुई है। गरीबों को उनका कानूनी अधिकार प्राप्त हो। इसके लिए सभी विभागों के अधिकारियों को एक ही स्थान पर एक

निश्चित दिन एवं अलग अलग स्थानों पर न्याय मिले इसके लिए अधिकारियों के द्वारा शिविर आयोजित किया जायेगा। मौके पर तत्काल संम्बधित प्रकरणों का निस्तारण किया जानें। जिससे सभी लोगों को तत्वरित उनकी समस्त समस्याओं का समाधान हो सके। इस शिविर का उद्देश्य समाज के गरीबों रेखा में आने वाले अंतिम तौर पर रहने वाले को भी सरकारी

ऑफिस में विभागीय अधिकारियों के आगे पीछे अकारण चक्कर लगाने की आदत से छुटकारा मिल सके। उसे सरकारी सुविधाओं का लाभ एक स्थान पर शिविर होने से प्राप्त हो सके। इस अवसर पर अधिकार मित्र दिनेश कुमार शर्मा ने पर्यावरण संरक्षण के लिए नालसा जाग्रति योजना में सृजन सुरक्षा योजना के बारे में बताया कि बालिका के जन्मोत्सव पर खुशियों को पर्यावरण संरक्षण के साथ जोड़ा गया है। बालिका के जन्म पर उनके परिवार द्वारा 11 फलदार पेड़ लगाया जाना अनिवार्य है। प्रसाशन द्धारा बालिका ग्रीनकार्ड दिया जायेगा, बालिका के विकास को सरकारी योजनाओं में मिलने वाले समस्त लाभों को बालिका ग्रीनकार्ड में संम्पूर्ण विवरण उपलब्ध होगा और परिवार के द्वारा लगाए गए पौधारोपण की समस्त जिम्मेदारी बालिका के पिता की होगी। इस योजना को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ा गया है। इस अवसर पर निदेशक प्रकाश दादरवाल ने उपस्थित बालिकाओं को पर्यावरण संरक्षण के लिए स्वयं के जन्मदिन पर पौधारोपण का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर आईटी के 25 बालक, बालिकाओं ने शिविर में भाग लिया।

18 जुलाई को झुंझुनू में परमवीर चक्र विजेता कंपनी हवलदार मेजर पीरू सिंह जी का शहादत दिवस गरिमापूर्ण रूप से मनाया जाएगा

● अतुल्य संसार नेटवर्क

झुंझुनू/अरुण कुमार। लायंस क्लब झुंझुनू द्वारा परमवीर चक्र विजेता कंपनी हवलदार मेजर पीरू सिंह जी के शहादत दिवस के अवसर पर 18 जुलाई 2026 (शनिवार) को प्रात: 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक शहीद स्मारक, कलेक्ट्रेट सर्किल, झुंझुनू में श्रद्धांजलि एवं सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में आज आयोजित पत्रकार वार्ता में लायंस क्लब के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने कार्यक्रम की रूपरेखा साझा करते हुए बताया कि झुंझुनू की वीर परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुँचाने तथा परमवीर पीरू सिंह जी के अद्वितीय साहस, राष्ट्रभक्ति एवं सर्वोच्च बलिदान को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि इस अवसर पर पूर्व सांसद एवं वीर चक्र से सम्मानित स्वर्गीय कैप्टन अयूब खान

साहब के परिवार का सम्मान किया जाएगा। साथ ही वर्तमान में राष्ट्रसेवा में कार्यरत कीर्ति चक्र विजेता कैप्टन महेंद्र सिंह का नागरिक अभिनंदन एवं सम्मान भी किया जाएगा। इसके अतिरिक्त झुंझुनू जिले की वीरांगनाओं को भी उनके अद्वितीय त्याग, धैर्य एवं राष्ट्रसेवा में दिए गए योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में सेना के पूर्व सैनिक, वीरांगनाएँ, सामाजिक संगठन, शिक्षाविद, जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में नागरिक भाग लेंगे। समारोह में परमवीर पीरू सिंह जी को पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी तथा उनके जीवन, शौर्य और बलिदान पर प्रकाश डाला जाएगा। लायंस क्लब ने जिले के सभी नागरिकों, विशेषकर युवाओं एवं विद्यार्थियों से इस कार्यक्रम में सपरिवार उपस्थित होकर राष्ट्र के इन वीर सपूतों के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करने का आह्वान किया। पत्रकार वार्ता को श्री राजेंद्र सिंह शेखावत (सेवानिवृत्त आईएएस एवं सदस्य, लायंस क्लब), श्री गोपाल कृष्ण गुप्ता (उपाध्यक्ष, लायंस क्लब), श्री रघुनाथ पोद्दार (सेक्रेटरी, लायंस क्लब), डॉ. उम्मेद सिंह शेखावत (कार्यक्रम कन्वीनर एवं सदस्य, लायंस क्लब), डॉ. नरेंद्र सिंह नरुका (सदस्य, लायंस क्लब) तथा श्री यशवर्धन सिंह शेखावत (कार्यक्रम संचालन मंडल सदस्य) ने संबोधित किया।

लायंस क्लब ने बताया कि कार्यक्रम की सभी तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं तथा इसे पूर्ण गरिमा, अनुशासन एवं राष्ट्रभक्ति के वातावरण में आयोजित किया जाएगा।

कोटा विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम का हिस्सा बनेगी बूंदी चित्र शैली, रोजगार से जोड़ने पर जोर

एक वर्ष व छह माह के कोर्स शुरू करने पर हुआ मंथन, कोटा विश्वविद्यालय के कुलगुरू की अध्यक्षता में विवि प्रशासन और स्थानीय कलाकारों की हुई बैठक

● अतुल्य संसार नेटवर्क

बूंदी। विश्व प्रसिद्ध बूंदी चित्र शैली को अब अकादमिक स्तर पर नई पहचान मिलने जा रही है। नई पीढ़ी को इस ऐतिहासिक कला से रूबरू कराने और कलाकारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से इसे कोटा विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा। इस संबंध में मंगलवार को कोटा विश्वविद्यालय के कुलगुरू बीएल सारस्वत की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिला कलक्टर हरफूल सिंह यादव, कोटा विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार मुरलीधर प्रतिहार और चित्रकला विभाग की प्रोफेसर शालिनी भारती ने बूंदी चित्र शैली से जुड़े स्थानीय कलाकारों के साथ इस योजना पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। बैठक के दौरान बूंदी और कोटा चित्रशैली पर आधारित एक वर्ष और 6 महीने की अवधि वाले सर्टिफिकेट व डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू करने को लेकर व्यापक चर्चा हुई। विवि प्रशासन और कलाकारों ने मिलकर पाठ्यक्रम के विभिन्न अकादमिक और व्यावहारिक पहलुओं पर मंथन किया ताकि छात्रों को कला की बारीकियां ठीक

से सिखाई जा सकें। बैठक में जिला कलक्टर ने कहा कि बूंदी चित्र शैली के इस पाठ्यक्रम को पूरी तरह से व्यावसायिक रूप दिया जाए। इससे न केवल नई पीढ़ी इस पारंपरिक कला को सहेज सकेगी, बल्कि युवा इसके माध्यम से अपनी आर्थिक स्थिति भी मजबूत कर सकेंगे। उन्होंने बूंदी चित्र शैली से जुड़े स्थानीय कलाकारों से आह्वान किया कि वे जल्द से जल्द इस पाठ्यक्रम का खाका तैयार करें, ताकि बिना किसी देरी के इसी शैक्षणिक सत्र से इसे विधिवत शुरू करवाया जा सके। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर एचडी सिंह, इंटेक के संयोजक राजकुमार दाधीच, पर्यटन अधिकारी प्रेम शंकर सैनी, जाने-माने पुरातत्ववेत्ता ओम प्रकाश कुक्की के साथ-साथ बूंदी चित्र शैली के प्रमुख कलाकार सुनील जांगिड़, पंकज सिसोदिया और विवेक उत्प्रेजा भी विशेष रूप से उपस्थित रहें।

रटलाई में कृषि विभाग की बड़ी कार्रवाई, 1238 बैग अवैध उर्वरक जब्त

झालावाड़। कृषि विभाग ने रटलाई स्थित मेसर्स जय जिनेन्द्र इंटरप्राइजेज के उर्वरक गोदाम पर छापेमार कार्रवाई करते हुए 1238 बैग संदिग्ध एवं अवैध उर्वरक जब्त किए हैं। यह कार्रवाई उर्वरक नियंत्रण आदेश-1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम-1955 के प्रावधानों के तहत की गई। संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार) डॉ. नरेश कुमार शर्मा ने बताया कि निरीक्षण के दौरान उर्वरकों का निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर विक्रय, मूल्य सूची का प्रदर्शन नहीं करना, पीओएस मशीन एवं भौतिक स्टॉक में अंतर तथा विक्रय अभिलेखों के समुचित संधारण में अनियमितताएं पाई गईं। जांच के दौरान गोदाम में डीएपी उर्वरक के 677 बैग, एसएसपी के 430 बैग, यूरिया के 12 बैग तथा अन्य उर्वरकों सहित कुल 1238 बैग संदिग्ध पाए गए, जिन्हें जब्त कर सुरक्षित अभिरक्षा में रखा गया। नमूने लेकर परीक्षण के लिए राज्य उर्वरक परीक्षण प्रयोगशाला भेजे गए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि उर्वरक खानपुर क्षेत्र के विक्रेताओं से बिलों के माध्यम से मंगाकर रटलाई में संग्रहित किए जा रहे थे। विभाग ने संबंधित विक्रेताओं को भी नोटिस जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यदि अनियमितताएं प्रमाणित होती हैं तो संबंधित विक्रेताओं के विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार) डॉ. नरेश कुमार शर्मा के निर्देशन में कृषि विभाग, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा की गई।

विश्व जनसंख्या दिवस पर उत्कृष्ट कार्य करने वालों का हुआ सम्मान

जिला कलक्टर डॉ. अरुण गर्ग बोले- जिले की मेडिकल विभाग की टीम का काम बेहद सराहनीय

● अतुल्य संसार नेटवर्क

झुंझुनू/अरुण कुमार। विश्व जनसंख्या दिवस-2026 के अवसर पर मंगलवार को मंडावा मोड स्थित अंबेडकर भवन में जिला स्तरीय सम्मान एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में परिवार कल्याण एवं जनसंख्या स्थायित्व कार्यक्रम के तहत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली पंचायत समितियों, ग्राम पंचायतों, चिकित्सा संस्थानों तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कलक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने कहा कि जिले की मेडिकल डिपार्टमेंट की टीम अन्य विभागों की तुलना में सराहनीय कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि जनसंख्या स्थायित्व केवल स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता से ही इस लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि छोटे एवं स्वस्थ परिवार से ही बेहतर स्वास्थ्य, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और समृद्ध समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने सम्मानित संस्थाओं एवं कार्मिकों को बधाई देते हुए परिवार कल्याण कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

पूर्व सांसद नरेंद्र खीचड़ ने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण एवं परिवार कल्याण कार्यक्रमों में झुंझुनूं जिले

ने उल्लेखनीय कार्य किया है। उन्होंने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम को बधाई देते हुए कहा कि जागरूकता और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से जिले ने नई पहचान बनाई है।

पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी ने कहा कि सम्मान समारोह उत्कृष्ट कार्य करने वालों के लिए प्रेरणा का माध्यम है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी पूरी निष्ठा से जनहित में कार्य कर रहे हैं, जिसका सकारात्मक परिणाम सामने आ रहा है। सीएमएचओ डॉ. छोटेलाल गुर्जर ने कहा कि परिवार कल्याण कार्यक्रमों में जिले की उपलब्धियां चिकित्सा विभाग की टीम भावना और निरंतर प्रयासों का परिणाम हैं। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा जनसंख्या स्थायित्व के साथ मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए लगातार नवाचार किए जा रहे हैं। डिप्टी सीएमएचओ एवं जिला नोडल अधिकारी डॉ. भंवर लाल सर्वा ने कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों और भागीदारी करने वालों का आभार व्यक्त किया। समारोह में पंचायत समिति खेतड़ी को जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर ड2 लाख की पुरस्कार राशि से सम्मानित किया गया। जो खेतड़ी प्रधान मनीषा गुर्जर एवं बीसीएमओ डॉ हरीश यादव और उनकी टीम ने प्राप्त किया।

वहीं जिला चिकित्सालय/उप जिला अस्पताल नवलगढ़, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मेहाड़ा (खेतड़ी) तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बाय (नवलगढ़) को जिले में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 50-50 हजार की पुरस्कार राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। इसके अलावा विभिन्न पंचायत समितियों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली 12 ग्राम पंचायतों को भी ड50-50 हजार की पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया गया। जो उनके सरपंच, चिकित्सा प्रभारी अधिकारी और टीम ने प्राप्त किए।

कार्यक्रम में खेतड़ी प्रधान मनीषा गुर्जर आयोजना अधिकारी पूनम कटेवा, मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. प्रमोद नारनौलिया, आरसीएचओ डॉ. दयानंद सिंह, पीएमओ डॉ. जितेंद्र भांभू, सांख्यिकी अधिकारी शारदा सहित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

ख्यातनाम चिन्तनशिल साहित्य कार की श्रद्धांजलि सभा में किये पुष्प अर्पित

बहुमुखी प्रतिभा के धनी भी थे स्वर्गीय प्रभु दयाल यादव

स्वर्गीय प्रभु दयाल यादव चिंतनशील साहित्यकार थे..... मदनलाल भावरिया

अतुल्य संसार नेटवर्क

सुमेर सिंह राव/उदयपुरवाटी। नीमकाथाना के सिरोही के पास ढाणी ड्योड्या की तन सिरोही के मूल निवासी झडांयां धाम के भक्त स्व प्रभुदयाल यादव,सेवानिवृत अध्यापक 85वर्ष की उम्र में 11 जुलाई को देवलोकगमन हो गये । 50वर्ष पूर्व नारी शिक्षा व पर्यावरण तथा सामाजिक कुरीतियों के लिए उल्लेखनीय कार्य करने पर आपको जिला स्तर पर कई बार सम्मानित किया गया। मदन लाल भावरिया ने बताया कि प्रभुदयाल यादव बहुत ही चिन्तनशील साहित्यकार थे । श्रदांजलि सभा में मदन लाल भावरीया,प्रधान प्रतिनिधि राजेन्द्र यादव नीमकाथाना,गुढा पब्लिक स्कूल नीमकाथाना के एम डी संपत बेनीवाल,प्रभाती लाल यादव, सेवानिवृत पीटीआई भगवान सहाय यादव,बीरबल यादव ,इंद्राज गैनन,आर . सी . यादव,अजय धायल, व सैकड़ों लोगों ने श्रद्वांजलि दी।

डॉ राजीव कुमार बने बाड़मेर के संयुक्त निदेशक

अतुल्य संसार नेटवर्क

उदयपुरवाटी/झुंझुनूं/सुमेर सिंह राव। पशुपालन विभाग के वरिष्ठ एवं कर्मठ अधिकारी डॉ. राजीव रोहिल्ला को सयुंक्तनिदेशक पद पर पदोन्नत किए जाने पर क्षेत्र में हर्ष का वातावरण है। लगभग पाँच माह पूर्व ही वे डेप्यटी डायरेक्टर के रूप में प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय में कार्यभार संभाला था और अब विभागीय पदोन्नति के तहत उन्हें संयुक्तनिदेशक के पद पर बाड़मेर नियुक्ति प्रदान की गई है। डॉ. रोहिल्ला ने अपने उत्कृष्ट प्रशासनिक कौशल, कार्यनिष्ठा एवं पशुपालकों के हित में किए गए उल्लेखनीय कार्यों से विभाग में अपनी अलग पहचान बनाई है। उनकी पदोन्नति को पशुपालन विभाग के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। इस पदोन्नति पर वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेंद्र कुमावत ने दूरभाष पर शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं सफल कार्यकाल की मंगलकामना की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि डॉ. रोहिल्ला के नेतृत्व में विभाग नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा तथा पशुपालकों को और अधिक प्रभावी सेवाएं मिलेंगी। डॉ. राजीव कुमार की इस उपलब्धि पर विभागीय अधिकारियों,कर्मचारियों, सामाजिक संगठनों तथा शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

डोटासरा बोले-भाजपा राज में दबाई जा रही जनता की आवाज

विधानसभा में सरकार का कार्यकाल सबसे निराशाजनक, लोकतांत्रिक परंपराओं की हो रही अनदेखी

जयपुर। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भाजपा सरकार के कार्यकाल में विधानसभा में जनता से जुड़े मुद्दों पर मंत्रियों के जवाब देने से बचने का आरोप लगाते हुए सरकार पर निशाना साधा है। डोटासरा ने सरकार पर विधानसभा को केवल औपचारिकता बनाकर रख देने और विधानसभा की कम बैठकों के लिए जिम्मेदार ठहराया है। डोटासरा ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा- राजस्थान के 75 साल के इतिहास में आज जनता की आवाज़ सबसे ज़्यादा दबाई जा रही है। आंकड़े गवाह हैं। जन मुद्दों, जवाबदेही और लोकतांत्रिक परंपराओं का जितना दमन भाजपा की भजनलाल सरकार में हुआ है, पहले कभी नहीं हुआ।

अब तक सिर्फ 5 सत्र, 84 बैठकें और मात्र 573 घंटे का कामकाज

डोटासरा ने भाजपा पर तंज कसते हुए लिखा- आधिकारिक आंकड़े बता रहे हैं कि वर्तमान 16वीं विधानसभा में अब तक सिर्फ 5 सत्र, 84 बैठकें और मात्र 573 घंटे का कामकाज हुआ है, जो अब तक के सबसे कमजोर प्रदर्शन में शामिल है।

सरकार सदन में जवाब देने से बचती है- डोटासरा

डोटासरा ने आगे लिखा- इस सरकार में जनता के मुद्दों पर चर्चा का मंच संकुचित होता जा रहा है। सदन में अक्सर भाजपा सरकार जन मुद्दों पर जवाब और चर्चा से बचती दिखती है। इस सरकार ने जनता के मंच को केवल औपचारिकता बनाकर रख दिया है। लोकतंत्र को कमजोर करने की ये प्रवृत्ति अत्यंत चिंताजनक है।

कैबिनेट मंत्री के बेटे का ट्रांसफर कैंसिल

59 की उम्र में हेडमास्टर का 500किमी दूर तबादला, बोले-BJP के लिए काम किया, बदले में यह मिला

जयपुर। मैं आरएसएस का कार्यकर्ता हूं। भाजपा के जिला प्रमुख और प्रधान बनाने में कई बार अहम भूमिका निभा चुका हूं। लेकिन 59 की उम्र में मेरा तबादला धौलपुर से करीब 500 किलोमीटर दूर झालावाड़ कर दिया गया। माननीय शिक्षा मंत्री जी आपकी जिद्द बीजेपी को ले डूबेगी। यह दर्द धौलपुर जिले के एक सरकारी स्कूल में कार्यरत हेड मास्टर ओमवीर पेलावत (59) का है। उन्होंने ट्रांसफर पर नाराजगी जाहिर करते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट की है। वहीं राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत के बेटे दीपक कुमावत के तबादले को लेकर भी सोशल मीडिया पर विवाद छिड़ गया है। 9 जुलाई को पंचायत समिति सुमेरपुर (पाली) में सहायक प्रोग्रामर के पद पर कार्यरत दीपक कुमावत का तबादला पंचायत समिति जालोर किया गया था, लेकिन महज 24 घंटे बाद 10 जुलाई को आदेश निरस्त कर उन्हें यथावत पदस्थापित कर दिया गया।

महिला कांग्रेस की जिला संगठनात्मक बैठक भटावली में आज होगी - स्वेता यादव

अतुल्य संसार नेटवर्क

दीपचंद शर्मा डीग। महिला कांग्रेस की जिला संगठनात्मक बैठक महिला जिला अध्यक्ष एडवोकेट स्वेता यादव के नेतृत्व में दिनांक 15/7/2026 को डीग जिले के कुम्हेर तहसील के गाँव भटावली में डीग प्रभारी तस्लीम बेगमजी की अध्यक्षता में आयोजित की जायेगी, 21 जुलाई 'संसद चलो' अभियान की तैयारियों पर होगी चर्चा, अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती अल्का लांबा जी के निर्देशानुसार प्रदेश के सभी जिलों में महिला कांग्रेस की संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया जाएगा। जिला अध्यक्ष एडवोकेट स्वेता यादव ने बताया कि बैठक का मुख्य उद्देश्य जिला स्तर पर महिला कांग्रेस संगठन को अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाना, संगठन का विस्तार करना, अधिक से अधिक महिलाओं को महिला कांग्रेस से जोड़ना तथा आगामी संगठनात्मक गतिविधियों एवं कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा तैयार करना रहेगा। बैठक में जिले के सभी ब्लॉक अध्यक्षों, जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ-साथ राजनीतिक एवं सामाजिक रूप से सक्रिय महिलाओं की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।

संगठन की वर्तमान स्थिति की समीक्षा, रिक्त पदों की जानकारी, संगठन विस्तार एवं महिला नेतृत्व को सशक्त बनाने पर विस्तार से चर्चा होगी । इसके साथ ही 21 जुलाई 2026से प्रारंभ हो रहे संसद के मानसून सत्र के दौरान अखिल भारतीय महिला कांग्रेस के नेतृत्व में आयोजित होने वाले संसद चलो विशाल प्रदर्शन की तैयारियों को लेकर भी विशेष रणनीति बनाई जाएगी।

इस दौरान अधिक से अधिक महिला कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने, जिला स्तर पर समन्वय एवं आवश्यक तैयारियों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया जाएगा।

प्रदेश महिला कांग्रेस ने सभी जिला पदाधिकारियों, ब्लॉक अध्यक्षों एवं महिला कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे संगठनात्मक बैठक में समय पर उपस्थित होकर संगठन को मजबूत बनाने तथा संसद चलो अभियान को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

सकराय धाम में आज से गुप्त नवरात्रा महोत्सवः माँ शाकम्भरी के दरबार में होंगे विविध धार्मिक आयोजन

माँ शाकम्भरी सेवा समिति, सकरायधाम (रजि.) के तत्वाधान में होगा महोत्सव का आयोजन

अतुल्य संसार नेटवर्क

सुमेर सिंह राव/उदयपुरवाटी। सिद्धपीठ सकरायधाम में आज से प्रारंभ हो रहे गुप्त नवरात्रि महोत्सव को लेकर तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं। माँ शाकम्भरी सेवा समिति, सकरायधाम (रजि.) के तत्वावधान में नौ दिनों तक विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मंदिर परिसर को आकर्षक सजावट एवं रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया है। समिति अध्यक्ष राजेश धानुका (अहमदाबाद) एवं महासचिव सुभाष अग्रवाल (सूरत) ने बताया कि गुप्त नवरात्रि के दौरान प्रतिदिन माँ शाकम्भरी दरबार का अलौकिक फूलों से श्रृंगार किया जाएगा।

मंदिर में नियमित रूप से दुर्गा सप्तशती का पाठ होगा तथा मैया को प्रतिदिन शीरा-पूड़ी का भोग लगाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि मंदिर के मुख्य द्वार को आकर्षक लाइटिंग से सजाया गया है, जिससे रात्रि के समय भक्तिमय वातावरण में जगमगाता नजर आएगा। समिति के अनुसार महाअष्टमी पर विशेष पूजा-अर्चना, महाआरती एवं सवामणी का आयोजन होगा। इस अवसर पर माँ शाकम्भरी को चुनरी, शुद्ध घी, तेल, नारियल, हरी सब्जियां, फरूट्स, ड्राई फरूट्स तथा श्रृंगार सामग्री श्रद्धापूर्वक अर्पित की जाएगी। समिति अध्यक्ष राजेश धानुका एवं सुभाष अग्रवाल का सभी श्रद्धालुओं से निवेदन है कि गुप्त नवरात्रि महोत्सव में अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर माँ शाकम्भरी का आशीर्वाद प्राप्त करे।

पेपर-लीक के विरोध में जयपुर में एनएसयूआई का पैदल मार्च

डोटासरा-टीकाराम जूली समेत कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार को घेरा

जयपुर। नीट पेपर लीक और राजस्थान समेत देशभर में भर्ती परीक्षाओं में कथित धांधली के विरोध में मंगलवार शाम राजधानी जयपुर में ह्स्ड्ढ ने छात्रों की गूंज अभियान के तहत पैदल विरोध मार्च निकाला। गुर्जर की थड़ी चौराहे से शुरू हुआ यह मार्च त्रिवेणी नगर चौराहे तक पहुंचा। मार्च में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, ह्स्ड्ढ के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़, कांग्रेस विधायक रफीक खान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस और ह्स्ड्ढ कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई और छात्रों की अलग - अलग मांगों को लेकर विरोध दर्ज कराया गया। पैदल मार्च के दौरान नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि देशभर में छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार सत्ता में आने से पहले युवाओं और छात्रों से किए गए वादों को पूरा करने में विफल रही है। लगातार सामने आ रहे पेपर लीक और भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं के कारण लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना चाहिए। जूली ने कहा कि छात्रों की समस्याओं के समाधान और निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया की मांग को लेकर यह पैदल मार्च निकाला गया है। कांग्रेस विधायक रफीक खान ने कहा कि जयपुर से उठी छात्रों की आवाज दिल्ली तक पहुंचेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि केवल राजस्थान ही नहीं, बल्कि पूरे देश में युवाओं को भर्ती परीक्षाओं में लगातार अनियमितताओं और पेपर लीक जैसी घटनाओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि छात्र अपने अधिकारों की बात करते हैं तो उनकी आवाज दबाने की कोशिश की जाती है। रफीक खान ने कहा कि छात्रों की जायज मांगों के समर्थन में कांग्रेस उनके साथ खड़ी है और सरकार को युवाओं की चिंताओं का समाधान करना चाहिए। मार्च में शामिल एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने भी केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि ह्स्ड्ढ देशभर में छात्रों और युवाओं की आवाज बनकर आंदोलन कर रही है। यदि सरकार ने जल्द छात्रों की मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो देशभर में आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि छात्र लंबे समय से पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया, पेपर लीक पर सख्त कार्रवाई और युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने की मांग कर रहे हैं। एनएसयूआई के छात्रों की गूंज अभियान के तहत निकाले गए इस विरोध मार्च में कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां और बैनर के साथ बीजेपी नेताओं को प्रतीकात्मक शव यात्रा को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान भाजपा सरकार के खिलाफ नारे लगाए गए और भर्ती परीक्षाओं में कथित धांधली और पेपर लीक के मामलों को लेकर विरोध जताया गया। विरोध मार्च के कारण रिद्धि-सिद्धि चौराहे से त्रिवेणी नगर तक कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा। सड़क पर बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों के पहुंचने से जाम की स्थिति बन गई, जिससे आम लोगों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिस ने मौके पर यातायात को सुचारु रखने के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं कीं और प्रदर्शन समाप्त होने के बाद यातायात सामान्य हो सका।

मंत्री की जनसुनवाई में भाजपा कार्यकर्ताओं का हंगामा

विधायक को नहीं बुलाने पर की नारेबाजी; गोदारा ने गलती मानी, बोले- आगे से मिलकर काम करेंगे

बीकानेर। बीकानेर के कोलायत में मंगलवार को खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा की जनसुनवाई में हंगामा हो गया। कोलायत विधायक अंशुमान सिंह भाटी को नहीं बुलाने से भाजपा कार्यकर्ता नाराज हो गए। उन्होंने नारेबाजी की। मंत्री ने गलती मानते हुए कहा- आगे से मिलकर काम करेंगे। कोलायत के पंचायत भवन में दोपहर 1.30 बजे लाभार्थी सम्मेलन और जनसुनवाई कार्यक्रम थी। कार्यक्रम में मंत्री सुमित गोदारा लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। इस दौरान कार्यक्रम के पोस्टर में स्थानीय विधायक अंशुमान सिंह भाटी का फोटो नहीं होने और उन्हें कार्यक्रम में नहीं बुलाने पर कार्यकर्ता नाराज हो गया। कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी शुरू कर दी और देवीसिंह भाटी जिंदाबाद और अंशुमान सिंह के नारे लगाने शुरू कर दिए। विरोध बढ़ता देखकर मंत्री सुमित गोदारा ने नाराज कार्यकर्ताओं को समझाने का प्रयास किया। कार्यकर्ता हंगामा करने लगे। इसके बाद गोदारा मंच पर चढ़े। उन्होंने कहा कि विधायक का कार्यक्रम में नहीं होना एक गलती है। सरकारी कार्यक्रमों में छोटी-मोटी गलतियां हो जाती हैं। अगली बार जब भी कार्यक्रम होगा, तब विधायक को साथ रखकर कार्यक्रम करेंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संयम बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि आप सभी भाजपा के सिपाही हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि चार से पांच महीने बाद जब भी कार्यक्रम होंगे, जब विधायक के साथ मिलकर आयोजित किए जाएंगे।

ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर्स की हड़ताल से मंडियों-उद्योगों में सामान सप्लाई प्रभावित

राजस्थान में 2 से ढाई लाख ट्रकों का संचालन ठप, बोले- मांगें नहीं मानी तो करेंगे जेल भरो आंदोलन

जयपुर। ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर्स ने कहा- परिवहन विभाग की ओर से जारी नई SOP से हमारी मुख्य समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, इसलिए हड़ताल जारी रहेगी। राजस्थान में व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस, परमिट और ई-डिटेक्शन चालान को लेकर ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर्स ने सोमवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की थी। राजस्थान ट्रक ट्रांसपोर्ट संघर्ष समिति के बैनर तले चल रहे आंदोलन के दौरान ट्रांसपोर्टरों ने दावा किया कि प्रदेश में करीब 50 हजार ट्रक परमिट कैंसिल होने के कारण संचालन बंद हैं। इसके अलावा अलग-अलग जिलों में लगभग 2 से ढाई लाख ट्रक अनिश्चितकालीन हड़ताल के कारण खड़े कर दिए गए हैं। वहीं हड़ताल के असर से फल और सब्जी मंडियों, औद्योगिक इकाइयों, सीमेंट, स्टील, किराना और अन्य सामान की सप्लाई प्रभावित होने लगी है। VKI ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष कैलाश शर्मा ने कहा- प्रदेशभर में ट्रकों का संचालन दूसरे दिन मंगलवार को भी जारी है। उनका दावा है कि अब 100 प्रतिशत ट्रक अपनी जगह खड़े हैं और माल ढुलाई पूरी तरह प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा- जब तक सरकार हमारी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लेती, तब तक हड़ताल जारी रहेगी। यदि इसके बाद भी समाधान नहीं निकला तो ट्रांसपोर्टर जेल भरो आंदोलन भी शुरू करेंगे।

आरोप- ई-डिटेक्शन से गाड़ियों की कीमत से ज्यादा चालान राशि

राजस्थान ट्रक ट्रांसपोर्ट संघर्ष समिति के प्रवक्ता सुरेश पूनिया ने बताया- ई-डिटेक्शन व्यवस्था में कई व्यावहारिक दिक्कतें हैं। उनका आरोप है कि विभाग के रिकॉर्ड में कई वाहन मालिकों के मोबाइल नंबर सही दर्ज नहीं हैं। इससे चालान की सूचना समय पर नहीं मिलती। इसके अलावा चालान का निस्तारण कराने के लिए विभाग के पोर्टल पर लॉग-इन कर ग्रिवेंस दर्ज करना पड़ता है। वहीं अधिकांश छोटे वाहन मालिकों के पास इसकी सुविधा या जानकारी नहीं है। ट्रांसपोर्टरों का आरोप है कि विभाग ने बड़ी संख्या में ऐसे चालान जारी किए हैं, जिनका कुल जुर्माना हजारों करोड़ रुपए तक पहुंच चुका है। कुछ वाहनों पर चालान की राशि वाहन की कीमत से भी अधिक हो गई है।

परिवहन विभाग ने जारी की थी नई SOP

परिवहन विभाग ने ट्रांसपोर्ट संगठनों के साथ सोमवार शाम बैठक कर नई **SOP** जारी की थी। विभाग ने अधिक कंपनियों को **VLTD** उपलब्ध कराने की व्यवस्था का दावा किया, लेकिन ट्रांसपोर्ट संगठनों ने कहा- इसमें यह स्पष्ट नहीं किया गया कि नई कंपनियां कब से काम शुरू करेंगी। वाहन मालिकों को डिवाइस कब तक मिल पाएगी। इसी कारण ट्रांसपोर्टरों ने आंदोलन वापस लेने से इनकार कर दिया।

VLTD मामले में केंद्र सरकार तक पहुंचा मुद्दा

ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस ने भी राजस्थान में व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस से जुड़ी समस्या को केंद्र सरकार के सामने उठाया है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. हरीश सभरवाल ने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव महमूद अहमद से मुलाकात कर राजस्थान में **VAHAN** पोर्टल पर **VLTD** लिंक नहीं होने के कारण फिटनेस सर्टिफिकेट और नेशनल परमिट के नवीनीकरण में आ रही दिक्कतों की जानकारी दी। **AIMTC** के अनुसार- अतिरिक्त सचिव ने राजस्थान परिवहन विभाग से बातचीत कर मामले का जल्द समाधान कराने का आश्वासन दिया है।

पंचायत-निकाय चुनाव नहीं कराने पर अवमानना याचिका पर टली सुनवाई

हाईकोर्ट में बेंच ने सुनवाई से किया इनकार, अब नई बेंच करेगी मामले की सुनवाई

जयपुर। प्रदेश में पंचायत और निकाय चुनाव तय समय पर नहीं कराने पर राज्य चुनाव आयोग और सरकार के खिलाफ दायर अवमानना याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई टल गई। जस्टिस इंद्रजीत सिंह और जस्टिस संदीप तनेजा की खंडपीठ के मंगलवार को एक्सेप्शन (सुनवाई से इनकार) करने से यह सुनवाई टल गई। अब मामले में कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के निर्देश पर नई बेंच का गठन होगा। नई बेंच 16 जुलाई को मामले में सुनवाई करेगी। पूर्व विधायक संयम लोढ़ा और गिर्राज सिंह देवंदा ने सरकार के खिलाफ अवमानना याचिका दायर की थी। याचिका में कहा गया कि हाईकोर्ट ने फैसले में कहा था कि शहरी निकायों का वार्ड परिसीमन और मतदाता सूची का संशोधन 20 जून तक पूरा किया जाए और संपूर्ण चुनाव प्रक्रिया 31 जुलाई तक पूरी कर ली जाए। इसके बावजूद अभी तक चुनाव प्रक्रिया शुरू नहीं की गई। याचिका में राज्य चुनाव आयुक्त राजेश्वर सिंह, सचिव राजेश वर्मा, पंचायतीराज आयुक्त डॉ. जोगाराम और स्वायत्त शासन विभाग के निदेशक प्रतीक चंद्रशेखर जुईकर को पक्षकार बनाया गया है। कोर्ट से मांग की गई है कि दोषी अधिकारियों के खिलाफ अवमानना कार्रवाई करके उन्हें दंडित किया जाए। साथ ही 31 जुलाई तक चुनाव प्रक्रिया पूरी करने

का निर्देश दिए जाए।

ओबीसी आयोग की रिपोर्ट का इंतजार कर रहे अधिकारी

याचिका में कहा गया कि विभिन्न विभागों के बीच हुए पत्राचार में अधिकारी अभी भी राजस्थान पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट का इंतजार करने पर अड़े हुए हैं। जबकि हाईकोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट रूप से कहा था कि आयोग की रिपोर्ट का इंतजार नहीं किया जाए। चुनाव को किसी भी आधार पर आगे नहीं टाला जाए। हाईकोर्ट का आदेश सभी अधिकारियों पर बाध्यकारी था, लेकिन अधिकारियों ने उदासीनता और गैर-जिम्मेदार रवैये से अदालत के आदेश की जानबूझकर अवहेलना की है। हमने 1 जुलाई को संबंधित अफसरों को अवमानना का कानूनी नोटिस भी दिया था, लेकिन उसका भी कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला है।

सरकार ने दायर किया प्रार्थना पत्र

वहीं अवमानना याचिका पर सुनवाई से पहले सरकार ने हाईकोर्ट में चुनाव टालने के लिए प्रार्थना पत्र दायर कर दिया है। सरकार ने प्रार्थना पत्र में ओबीसी आयोग और राज्य निर्वाचन आयोग के साथ हुए पत्राचार की डिटेल देते हुए कोर्ट से चुनाव टालने की मांग की है। सरकार ने कहा कि अभी तक ओबीसी आयोग से राजनीतिक आरक्षण की रिपोर्ट नहीं मिली है। प्रदेश में ओबीसी की जनसंख्या 50 प्रतिशत है। ऐसे में उनके राजनीतिक आरक्षण का निर्धारण किए बिना चुनाव कराना उचित नहीं होगा। इसलिए चुनाव कराने के लिए पर्याप्त समय दिया जाए।

चुनाव प्रक्रिया में 90 दिन का समय लगेगा

सरकार ने निर्वाचन आयोग द्वारा पंचायतीराज विभाग को लिखे पत्र का हवाला देते हुए कहा- राज्य निर्वाचन आयोग का कहना है कि ओबीसी आरक्षण की जानकारी मिलने के बाद निर्वाचन आयोग को चुनाव प्रक्रिया पूरी करने में करीब 90 दिन का समय लगेगा। आयोग ने नगरीय निकायों के चुनाव दो चरणों में कराने के लिए 40 दिन और पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव चार चरणों में कराने के लिए 50 दिन का समय मांगा है। सरकार के इस जवाब से पता चलता है कि अगर सरकार 31 अगस्त तक आरक्षणवार विवरण राज्य निर्वाचन आयोग को सौंप देती है तो आयोग सितंबर से नवंबर तक पंचायत-निकाय चुनाव करा लेगा।

कोर्ट ने दिए थे 31 जुलाई तक चुनाव कराने के आदेश

राजस्थान हाईकोर्ट ने पहले आयोग और सरकार को 15 अप्रेल तक प्रदेश में निकाय-पंचायत चुनाव कराने के निर्देश दिए थे। इसके बाद सरकार और आयोग ने अदालत में प्रार्थना पत्र लगाकर चुनाव टालने की अपील की थी। प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने समय देते हुए 31 जुलाई तक हर हाल में चुनाव कराने के लिए कहा था। वहीं ओबीसी आयोग को भी 20 जून तक अपनी रिपोर्ट देने के लिए बोला था।

हाफिज सईद के खिलाफ जम्मू कोर्ट से गैर-जमानती वारंट जारी

एनआईए ने चार्जशीट में कहा था- हाफिज ने पहलगाम हमले की साजिश रची, जंग छेड़ी

श्रीनगर। जम्मू की स्पेशल कोर्ट ने मंगलवार को लश्कर-ए-तैयबा चीफ हाफिज सईद के खिलाफ पहलगाम केस में गैर-जमानती वारंट जारी किया। कोर्ट ने कहा कि निष्पक्ष जांच के लिए हाफिज को हिरासत में लेकर पूछताछ करनी होगी। कोर्ट ने 8 जुलाई को आदेश जारी किया था, जानकारी मंगलवार को सामने आई है। इससे पहले 6 जुलाई को राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने पहलगाम हमले को लेकर सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की थी। एजेंसी ने कहा था कि बैसरनघाटी में हुए आतंकी हमले की साजिश हाफिज सईद ने ही रची थी। एनआईए ने हाफिज पर भारत के खिलाफ जंग छेड़ने का आरोप लगाया है। 22 अप्रैल 2025 को आतंकवादियों ने पहलगाम में धर्म पूछकर लोगों की हत्या की थी। हमले में 26 टूरिस्ट मारे गए थे। इसके बाद भारत ने 6-7 मई की रात ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और PoK में 9 ठिकानों पर हमला किया था। भारत का दावा है कि इसमें 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए।

पहली चार्जशीट 15 दिसंबर को दाखिल

पहलगाम हमले के बाद एनआईए ने 15 दिसंबर 2025 को पहली चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें पाकिस्तान के आतंकी हैंडलर साजिद जट समेत 6 आतंकियों को आरोपी बनाया था। उस वक्त हाफिज सईद का नाम सामने नहीं आया था। पहलगाम हमले के 3 आतंकी मारे जा चुके हैं। आतंकियों का हैंडलर सैफुल्लाह जट्ट उर्फ लंगड़ा अभी जिंदा है। उस पर 10 लाख का इनाम है।

एनआईए चार्जशीट में अब तक 5 खुलासे

जांच में लश्कर आतंकी सैफुल्लाह जट्ट उर्फ साजिद लंगड़ा को हमले का मास्टरमाइंड बताया गया था। वह आतंकियों का मुख्य हैंडलर था। जट्ट ने बैसरन वैली की लोकेशन भेजी और हमले के दौरान पाकिस्तान के लाहौर से आतंकियों को रियल टाइम निर्देश देता रहा। टूरिस्ट गाइड परवेज अहमद जोठार और बशीर अहमद जोठार वक्त रहते जानकारी देते तो हमला को टाला जा सकता था। दरअसल, दोनों गाइड ने आतंकियों को बैसरन में देखा था लेकिन सुरक्षा एजेंसियों को नहीं बताया। दोनों गिरफ्तार हो चुके हैं।

ऑस्ट्रेलिया में मोदी के कार्यक्रम पर विवाद

आयोजकों ने कहा- पैसे देकर लोगों को नहीं बुलाया, कांग्रेस ने कहा था- पीएम के स्वागत में भाड़े के लोग आए

नई दिल्ली। मोदी ने 9 जुलाई को मेलबर्न में भारतीयों को संबोधित किया। इस दौरान उनकी अपील पर वहां मौजूद लोगों ने ऑस्ट्रेलियाई पीएम के सम्मान में मोबाइल की फ्लैश लाइट जलाई। पीएम मोदी के मेलबर्न में हुए मेलबर्न मीट्स मोदी कार्यक्रम पर आयोजकों ने कहा कि इस कार्यक्रम में आने के लिए लोगों को पैसे नहीं दिए गए थे। इससे पहले कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए आरोप लगाया था कि 9 जुलाई को हुए इस कार्यक्रम में लोगों को पैसे देकर चार्टर्ड प्लेन से बुलाया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कार्यक्रम के आयोजकों ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को लेटर लिखकर माफी और बयान वापस लेने की मांग की है। उन्होंने कहा कि ऐसा बयान भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई समुदाय का अपमान है। इसका खर्च BJP, भारत सरकार या ऑस्ट्रेलिया सरकार ने नहीं उठाया। दरअसल, पीएम मोदी 9 और 10 जुलाई को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर थे, जहां हुए मेलबर्न मीट्स मोदी कार्यक्रम में करीब 30 हजार लोग शामिल हुए थे। 11 जुलाई को कांग्रसे नेता पवन खेड़ा समेत कांग्रसे के कई नेताओं ने सोशल मीडिया पर पीएम मोदी के कार्यक्रम एक एक वीडियो शेयर कर लिखा था कि मोदी के स्वागत के लिए भाड़े पर NRI लाए गए हैं। वहीं, 25-30 हजार लोगों को पैसे देकर यहां बुलाया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आयोजकों का कहना है कि चार्टर्ड फ्लाइट की व्यवस्था के लिए महीनों तक योजना बनाई गई। इसके लिए बातचीत, यात्रियों का समन्वय और प्रशासनिक काम किए गए। कई स्वयंसेवकों ने अपने परिवार के साथ समय बिताने का मौका छोड़ा, अपने कारोबार और पेशेवर जिम्मेदारियों से समय निकाला, व्यक्तिगत आर्थिक जोखिम उठाया और इस पहल को सफल बनाने के लिए लगातार काम किया। आयोजकों ने कहा कि कांग्रेस को प्रधानमंत्री मोदी और बीजेपी की आलोचना करने का पूरा अधिकार है, लेकिन भारत के प्रवासी समुदाय की लोकतांत्रिक पसंद को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट का 3 लैंग्वेज पॉलिसी पर रोक से इनकार

कहा- कोई भी भाषा सीखना कभी बेकार नहीं जाता, CBSE ने इसी सेशन पॉलिसी लागू की

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन की थ्री-लैंग्वेज पॉलिसी पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि कोई भी भाषा सीखना कभी बेकार नहीं जाता है। साथ ही इसे लागू करने में आने वाली चुनौतियों को लेकर सरकार और सीबीएसई से 10 दिन में जवाब मांगा है। अब 14 दिन बाद 29 जुलाई को इस मामले में सुनवाई होगी। दरअसल, थ्री-लैंग्वेज पॉलिसी मौजूदा 2026-27 सेशन से लागू कर दी गई है। नई पॉलिसी के मुताबिक स्टूडेंट्स को 2 भारतीय भाषाएं पढ़नी होंगी। उन्हें वे भाषाएं छोड़नी पड़ेंगी, जिन्हें वे क्लास 5 से लगातार पढ़ रहे हैं। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि CBSE ने तैयारी के बिना तीन-भाषा नीति लागू कर दी है। स्कूलों में पर्याप्त टीचर, किताबें और जरूरी एकेडमिक इंफ्रास्ट्रक्चर मौजूद नहीं है, जिससे स्टूडेंट-टीचर को परेशानी हो रही है।

थ्री-लैंग्वेज पॉलिसी से जुड़े सवाल-जवाब जो आपको जानना जरूरी हैं

1. मामला क्या है? जवाब: सुप्रीम कोर्ट में CBSE के उस नियम को चुनौती दी गई है, जिसके तहत 1 जुलाई 2026 से कक्षा 9 के छात्रों के लिए तीन भाषाएं पढ़ना अनिवार्य कर दिया गया है। इनमें कम-से-कम दो भारतीय भाषाएं होना जरूरी है। हालांकि, CBSE ने थ्री लैंग्वेज पॉलिसी पर 6 जून को यूटर्न लिया और नई गाइडलाइन जारी की थी। इसके मुताबिक, इस साल 10वीं में पढ़ रहे छात्रों को तीसरी भाषा की परीक्षा नहीं देनी होगी। 7वीं, 8वीं और 9वीं के वे छात्र, जिन्होंने पहले से दो विदेशी भाषाएं चुनी हैं, वे अपनी वही भाषाएं जारी रख सकेंगे। हालांकि, उन्हें इसके साथ एक भारतीय भाषा भी पढ़नी होगी।

CBSE ने 15 मई को एकेडमिक सेशन 2026-27 से थ्री लैंग्वेज पॉलिसी लागू करने का सर्कुलर जारी किया था।

2. नए नियम में क्या बदलाव हुआ है? जवाब: पहले कई छात्र अंग्रेजी के साथ एक भारतीय और एक विदेशी भाषा (जैसे फ्रेंच, जर्मन) पढ़ते थे। अब नियम कहता है कि तीन में से कम-से-कम दो भाषाएं भारतीय होनी चाहिए। विदेशी भाषा तीसरी या अतिरिक्त चौथी भाषा के रूप में ही ली जा सकेगी।

3. याचिकाकर्ताओं की आपत्ति क्या है? जवाब: नियम अचानक लागू कर दिया गया। कई भाषाओं की किताबें अभी उपलब्ध नहीं हैं। स्कूलों में संबंधित भाषाओं के शिक्षक नहीं हैं। इससे छात्रों और स्कूलों पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा।

4. कोर्ट में किताबों को लेकर क्या दलील दी गई? जवाब: वकीलों ने कहा कि 22 भारतीय भाषाओं में से अभी केवल 3 भाषाओं की किताबें उपलब्ध हैं। ऐसे में बाकी भाषाओं में पढ़ाई कैसे शुरू होगी?

5. शिक्षकों को लेकर क्या समस्या बताई गई? जवाब: अगर किसी स्कूल में नई भारतीय भाषा पढ़ानी होगी, तो उसके लिए प्रशिक्षित शिक्षक चाहिए। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि इतने कम समय में शिक्षक और बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराना संभव नहीं है।

6. क्या विदेशी भाषा पूरी तरह बंद हो जाएगी? जवाब: नहीं। छात्र फ्रेंच, जर्मन, जापानी जैसी विदेशी भाषाएं पढ़ सकते हैं, लेकिन पहले उन्हें दो भारतीय भाषाएं पढ़नी होंगी। विदेशी भाषा तीसरी या अतिरिक्त चौथी भाषा के रूप में होगी।

7. तीसरी भाषा का बोर्ड एग्जाम होगा? जवाब: नहीं। CBSE ने कहा है कि कक्षा 10 के बोर्ड परीक्षा में तीसरी भाषा का बोर्ड एग्जाम नहीं होगा, ताकि छात्रों पर अतिरिक्त दबाव न पड़े।

10. अभी आगे क्या होगा? जवाब: केंद्र, CBSE और NCERT अपना जवाब दाखिल करेंगे। इसके बाद 29 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट तय करेगा कि इस नीति पर आगे क्या आदेश देना है।

34 साल बाद नई शिक्षा नीति 2020 लाई गई

नई शिक्षा नीति 2020 को भारत सरकार ने 29 जुलाई, 2020 को मंजूरी दी थी। यह 34 साल बाद भारत की शिक्षा नीति में एक बड़ा बदलाव है। इससे पिछली नीति 1986 में बनाई गई थी, जिसे 1992 में अपडेट किया गया था। इसका उद्देश्य भारत की शिक्षा प्रणाली को 21वीं सदी की जरूरतों के अनुसार ढालना है, ताकि छात्र व्यावहारिक ज्ञान मिले और वे स्किल सीखें। नई शिक्षा नीति लागू करने के लिए केंद्र ने 2030 तक का लक्ष्य रखा है। शिक्षा संविधान में समवर्ती सूची का विषय है, जिसमें राज्य और केंद्र सरकार दोनों का अधिकार होता है। इसलिए यह जरूरी नहीं कि राज्य सरकारें इसे पूरी तरह अप्लाई करें। टकराव होने पर दोनों पक्षों को आम सहमति से विवाद सुलझाने का सुझाव दिया गया है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद 10 लाख करोड़ की डिफेंस डील

14 महीने में हथियारों की खरीद का पैटर्न बदला, लंबी जंग की तैयारी

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत की रक्षा खरीद का पैटर्न तेजी से बदला है। पिछले 14 महीनों में मंजूर रिकॉर्ड प्रस्तावों से संकेत मिलता है कि सेना को अब सिर्फ सीमित जवाबी कार्रवाई के लिए नहीं, बल्कि लंबी और मल्टीलेवल वॉर के लिए तैयार किया जा रहा है। डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल ने संघर्ष के बाद से 55 प्रस्तावों को मंजूरी दी, जिनकी कुल कीमत 9.80 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा है। यह रकम एक साथ खर्च नहीं होगी, बल्कि कई साल में अलग-अलग सौदों, निर्माण कार्यक्रमों और आधुनिकीकरण योजनाओं पर लगेगी।

तैयारी की वजह युद्ध छिड़ना अब सामान्य बात

तैयारी की पहली वजह ये है कि युद्ध छिड़ना अब सामान्य बात होती जा रही है। दूसरे, जंग छिड़ने के बाद उसे रोकना आसान नहीं रह गया है और तीसरी बात दुश्मन की कोशिश यह होती है कि लंबी और आर्थिक रुप से चोट पहुंचाने वाले सैन्य संघर्ष को जारी रखा जाए। नए प्रस्ताव में लक्ष्य महीनों तक हथियार, मरम्मत में तेजी और रसद बनाए रखना है। रक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि यूक्रेन और पश्चिम एशिया के लंबे संघर्षों ने भारत की सैन्य सोच बदली है। हालांकि, पनडुब्बियों, पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमानों में देरी अब भी बड़ी चुनौती है।

ऑपरेशन सिंदूर से दुनिया में भारतीय हथियारों की डिमांड बढ़ी

ऑपरेशन सिंदूर में ब्रह्मोस, आकाश, लॉयटरिंग म्युनिशन और नेत्र जैसे भारतीय हथियारों के इस्तेमाल के बाद दुनिया में इनकी मांग तेजी से बढ़ी है। कई देशों ने इन्हें खरीदने में रुचि दिखाई है।

कुछ देशों के साथ हजारों करोड़ रुपए के सौदे भी हो चुके हैं। इनकी कीमत 21,000 करोड़ रुपए से ज्यादा है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, 2025-26 में भारत का रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 38,424 करोड़ रुपए पहुंच गया, जो पिछले साल से 62% ज्यादा है। ब्रह्मोस के लिए फिलीपींस, वियतनाम और दो अन्य देशों से करीब 12,500 करोड़ रुपए के सौदे हो चुके हैं। इंडोनेशिया के साथ लगभग 3,600 करोड़ रुपए की डील अंतिम मंजूरी के चरण में है। आकाश मिसाइल सिस्टम के लिए आर्मेनिया से 6,100 करोड़ रुपए का कॉन्ट्रैक्ट पहले ही हो चुका है।

केरलम- डॉक्टर की सैलरी 20 हजार, इतनी ही सफाईकर्मी की

जरूरत से 10 गुना ज्यादा डॉक्टर; इंडियन मेडिकल एसोसिएशन बोला- 66% डॉक्टर की हालत बंधुआ मजदूरों जैसी

तिरुवनंतपुरम। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने सर्वे में बताया था कि केरलम के 82% डॉक्टरों को गलत वेतन मिल रहा है। 81% डॉक्टर बंधुआ मजदूरी जैसी स्थितियों में काम करने को मजबूर हैं। केरलम का मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर देश में सबसे मजबूत माना जाता है, लेकिन वहां डॉक्टरों को दिक्कत हो रही है। निजी अस्पतालों में एक एमबीबीएस जूनियर डॉक्टर 12 से 24 घंटे की ड्यूटी के बदले महज 20 हजार कमा पा रहा है। यह वेतन सफाईकर्मी के बराबर है। दरअसल, केरलम हर साल 7 हजार से ज्यादा डॉक्टर तैयार कर रहा है, जबकि जरूरत 600 से 700 की है। हेल्थकेयर में इसे ओवरफ्लडिंग कहते हैं। राज्य में इतने डॉक्टरों को सरकारी अस्पतालों में एडजस्ट करने की व्यवस्था ढह चुकी है। इसलिए कई जूनियर डॉक्टर या तो बेरोजगार हैं या निजी अस्पतालों में सफाईकर्मियों के बराबर वेतन पर नौकरी कर रहे हैं। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने सर्वे में बताया था कि केरलम के 82% डॉक्टरों को गलत वेतन मिल रहा है। 81% डॉक्टर बंधुआ मजदूरी जैसी स्थितियों में काम करने को मजबूर हैं। उनकी पढ़ाई में लाखों-करोड़ों रुपए खर्च हो रहे हैं। इस सर्वे पर राज्य के स्वास्थ्य मंत्री के. मुरलीधरन का कहना है कि निजी अस्पताल स्वायत्त संस्थाएं हैं, इसलिए इनके आंतरिक वेतन ढांचे पर दखल नहीं दे सकते।

नासिक में पर्यटकों पर हमला, 20किमी तक पीछा किया:चलती कार पर पत्थर-रॉड मारे

पीड़ित परिवार ने महिला से छेडछाड का विरोध किया था

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक में घूमने गए पर्यटक परिवार पर मनचलों ने हमला कर दिया। आरोपियों ने परिवार की लडकी से छेड़छाड़ की थी। परिवार ने इसका विरोध किया तो 8-10 युवकों ने उन्हें घेर लिया। परिवार किसी तरह कार से वहां से भागा। इसके बाद आरोपियों ने बाइकों से कार का करीब 20 किलोमीटर तक पीछा किया और लाठी-डंडों, रॉड और बेसबॉल स्टिक से उन पर जानलेवा हमला किया और चलती कार में तोड़फोड़ की। परिवार ने किसी तरह जान बचाई। वारदात रविवार शाम की है। इस मामले में पुलिस ने लूट, हत्या के प्रयास और छेड़छाड़ का केस दर्ज कर 8 युवकों को अरेस्ट किया है। एक की तलाश जारी है।

रास्ते में कई बार कार पर डंडों-रॉड से हमला किया

नासिक पुलिस के मुताबिक, नासिक में ही रहने वाली पूनम भागवत 12 जुलाई की शाम अपने परिवार के साथ भावली वाटरफॉल घूमने गई थीं। इसी दौरान परिवार की लड़की के साथ कुछ स्थानीय मनचलों ने छेड़छाड़ की। इस पर उन्होंने और उनके पति ने विरोध जताते हुए कहा कि आपको पता है यह पब्लिक प्लेस है। इतना सुनते ही दोनों युवकों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। इसका विरोध करने के बाद वे मौके से फरार हो गए। कुछ देर बाद 8-10 लोग उनके पास आए और बोले की उनके लोगों को क्यों मार रहे हो। इस पर उन्होंने उनसे कहा कि इसमें आपका क्या लेना-देना। इसके बाद उन लोगों ने भी परिवार के साथ गाली-गलौज की। इतना सब होने के बाद परिवार मामला सुलझाकर वहां से कार से निकल गया। लेकिन, आरोपियों ने उनका पीछा करना शुरू किया। एक कार और बाइक पर सवार युवकों ने हथियारों के साथ उनकी कार का करीब 15 किलोमीटर तक पीछा किया। रास्ते में कई बार इन्होंने कार पर डंडों और रॉड से हमला करने की कोशिश की। पूनम ने बताया कि उन्हें आरोपियों से बचने के लिए मजबूरी में कार स्पीड में चलानी पड़ी। कार में बैठे सभी लोग सहमे हुए थे। इसी दौरान उनकी कार में भी जमकर तोड़फोड़ की गई। पूनम ने किसी तरह परिवार की जान बचाई। इसके बाद उन्होंने अंबड पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज करवाया।

आरोपियों के खिलाफ गंभीर मामले दर्ज किए गए: डॉ. स्वामी

नासिक SP डॉ. स्वामी ने बताया कि 12 जुलाई को हुई घटना के संबंध में केस दर्ज किए गए हैं। शुरुआत में अंबड पुलिस स्टेशन में शून्य एफआईआर दर्ज की गई थी, जिसे बाद में इगतपुरी पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया। सीसीटीवी की मदद से पुलिस को बदमाशों की गाड़ी का नंबर (रू॥ 46 BE 3721) मिला। इसके बाद 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। फरार आरोपियों में से एक का आपराधिक रिकॉर्ड है और पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

नेशनल हाईवे पर आतंक, कोई मदद नहीं मिली

आरोपी परिवार का नेशनल हाईवे पर 20 किलोमीटर तक पीछा करते रहे। टोल प्लाजा, सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षा गार्ड और राजमार्ग पुलिस तैनात हैं। फिर भी, मदद के लिए कोई नहीं आया। पीडित परिवार ने आरोपियों के खिलाफ मकोका के तहत केस दर्ज करने की मांग की है। कुछ पर्यटकों ने बताया कि मानसून के दौरान हजारों पर्यटक भवाली वाटरफॉल और डेम घूमने आते हैं। स्थानीय गुंडों के गिरोहों ने इस क्षेत्र को अपना अड्डा बना लिया है। महिलाओं से छेडछाड़ और धमकाना आम बात है। इसलिए इन पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग उठ रही है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रदीप कुमार सोलंकी द्वारा महानगर मल्टीमीडिया प्रा. लि. जी-848, फेज 3, रीको सीतापुरा, जयपुर (राज.) से मुद्रित एवं 227-हीरालाल की गली, झालाना, मालवीय नगर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित।
सम्पादकः प्रदीप कुमार सोलंकी, मो. 93510-01100, Email: atulyasansar@gmail.com संपादकीय कार्यालयः जगतपुरा फ्लाईओवर के पास, जगतपुरा जयपुर।